भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, मुख्यालय - ग्वालियर से संचालित

दैनिक पर्यटन समाचार

IITTM पर्यटन शिक्षा संस्कृति रक्षा

दिनांकः रविवार 12 सितम्बर 2021 संपादकः प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, निदेशक, भापयाप्रसं पृष्ठ 1

"यदि मन में चलने की चाह हो, तो रास्ता अंधेरे में भी दिख जाता है...!"

रविवार विशेषांक

सभी पाठकों को सादर नमस्कार!

प्रिय पाठकों, आज के रविवार विशेष अंक का विषय है **"पर्यटन के लिए नई आशा: ग्रामीण क्षेत्र"**

ग्रामीण क्षेत्र वह क्षेत्र है जहां व्यक्ति को लोगों की जीवन शैली का मुख्य फोकस मिलता है। ग्रामीण पर्यटन शिक्षा पर प्रभाव डालता है। पर्यटकों को प्राचीन पुरातत्व, स्थान दृश्यों और मन की शांति के बारे में जागरूकता मिलती है। ग्रामीण पर्यटन के लिए भारत में विभिन्न प्रकार के क्षेत्र अर्थात ग्रामीण क्षेत्र हैं। ग्रामीण पर्यटन को पर्यटन से वह धन प्राप्त होता है जो ग्रामीण क्षेत्र के विकास में सहायक होता है। ग्रामीण पर्यटन भी सभी पर्यटन गतिविधियों और मेलों को शामिल करता है।

ग्रामीण पर्यटन

ग्रामीण क्षेत्र विरासत में समृद्ध है और हमें अपने पूर्वजों के बारे में जानकारी देता है। आगंतुक को विशेष क्षेत्र या जनजाति या क्षेत्र के सभी अनुष्ठानों और परंपराओं और मुख्य रूप से विभिन्न संस्कृति के बारे में पता चलता है। ग्रामीण क्षेत्र में खाना पकाने के कई अलग-अलग तरीकों

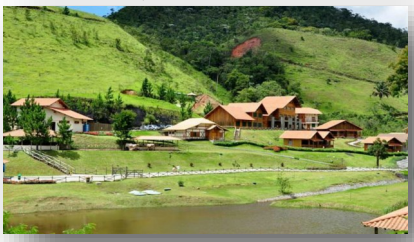

के साथ सबसे स्वादिष्ट भोजन होता है। कोई प्रदूषण नहीं है और हर कोई ताजी हवा का आनंद लेता है। सभी आगंतुकों को अपनी जड़ों के बारे में जानकारी मिलती है। ग्रामीण क्षेत्र में अपराध की दर नहीं है। लोगों को एक-दूसरे पर भरोसा है और एक-दूसरे के लिए सम्मान है। खासकर सभी को अच्छी नींद और मन की शांति मिलती है।

भारत में ग्रामीण पर्यटन की पृष्ठभूमि

भारत को सबसे अधिक विरासत स्थलों वाला देश माना जाता है। भारत की अनूठी संस्कृति विरासत है। इसका संस्कृति और पर्यटन के बीच सहज संबंध है। 70% आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र का विकास करना है। ग्रामीण पर्यटन ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान देता है।

शहरी पर्यटन से भिन्न है ग्रामीण पर्यटन

यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि आधुनिक शहरी जीवन अराजकता, प्रदूषण और भारी भीड़भाड़ से भरा हुआ है, जो लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है। इस नीरस और तनावपूर्ण से बचने के लिए अब लोग

प्राचीन, धीमी गति वाले और कम आबादी वाले और खुले स्थान वाले ग्रामीण क्षेत्रों में जाना चाहते हैं। भारत अभी भी कृषि पर निर्भर देश है, इस संबंध में बहुत कुछ है। गांधी जी ने एक बार कहा था कि "सच्चा भारत अपने गांव में रहता है"। भारतीय गाँव में एक अनूठी विविधता और संस्कृति के अनुष्ठान होते हैं जो पर्यटन उद्योग में एक आवश्यक भूमिका निभा सकते हैं।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के अनुसार, ग्रामीण पर्यटन में ग्रामीण भारत को बदलने की क्षमता है। कई अंतरराष्ट्रीय पर्यटक और शहरी भारत में रहने वाले लोग गांव के जीवन और रहन सहन का अनुभव करना चाहते हैं।

ग्रामीण पर्यटन के लाभ

रोजगार सृजन - ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रमुख लाभ रोजगार के अवसरों का सृजन है, खासकर उन लोगों के लिए जिनके पास अपनी

आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कृषि भूमि नहीं है। चूंकि पर्यटन के लिए सेवाओं की एक अनुभवी कार्यबल की आवश्यकता होती है, स्थानीय समुदाय के सदस्य विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों जैसे आवास, भोजन और पेय पदार्थ, स्थानीय गाइड, कारीगर आदि में खुद को संलग्न कर सकते हैं।

स्थानीय परंपरा का संरक्षण - जब पर्यटक प्रामाणिक ग्रामीण परिवेश

संपादक मण्डल - डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. चन्द्रशेखर बरूआ. समाचार संग्रह व प्रस्तुति-मयंक दुबे. डिजाइन - दीपक मित्तल

को महसूस करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करते हैं, तो पर्यटन संस्कृतियों और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करता है। बढ़ते शहरीकरण और वैश्वीकरण के साथ, लोग स्थानीय परंपरा को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक उत्पादों को अपना रहे हैं। ग्रामीण पर्यटन स्थानीय समुदायों को उनकी परंपराओं, शिल्प, पारंपरिक त्योहारों, वास्तुकला और अन्य अनूठी प्रथाओं को पुनर्जीवित करने और संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

नए कौशल विकसित करना - संपूर्ण पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को पर्यटकों को पूरा करने के लिए विशिष्ट कौशल की आवश्यकता होती है। एक बार जब पर्यटक स्थानीय क्षेत्रों का दौरा करना शुरू कर देता है तो स्थानीय समुदाय के सदस्य नए कौशल सीखना शुरू कर देते हैं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान - यह सांस्कृतिक को भी बढ़ावा देता है क्योंकि एक स्थानीय समुदाय अपनी संस्कृति और परंपराओं को पर्यटकों के साथ साझा करता है और इस प्रक्रिया में उनकी संस्कृतियों के बारे में भी सीखता है।

शहरी पलायन को कम करता है - अधिकांश देश जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है ग्रामीण लोगों का शहरी क्षेत्रों में आना-जाना। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने से, शहरी बहाव कम हो जाता है क्योंकि लोगों को उनके क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलते हैं। इसके अलावा पर्यटन के उद्भव के साथ, ढांचागत विकास भी होता है - यह लोगों को शहरी केंद्रों की ओर पलायन करने के बजाय अपने क्षेत्रों में रहने के लिए प्रोत्साहित करता है।

जीवन की गुणवत्ता में सुधार - जैसे-जैसे पर्यटक और स्थानीय लोगों के बीच सामाजिक संपर्क होता है, ग्रामीण पर्यटन में निवासियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। चूंकि उनके पास वैश्विक सूचना, उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच है। इसके अलावा, स्थानीय सरकार भी सड़कों, बिजली, अस्पतालों आदि जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण शुरू कर देती है क्योंकि वे इस क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही देखते हैं।

उद्यमिता के अवसर - पर्यटन उद्योग में नए व्यवसाय के अवसर पैदा करने की अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इच्छुक लोग विभिन्न प्रकार की सहायता सेवाओं के लिए उद्यम कर सकते हैं। उद्यमशीलता के अपार अवसर हैं जो ग्रामीण पर्यटन व्यवसाय के कारण उत्पन्न हो सकते हैं।

सामुदायिक गौरव का निर्माण करता है - ग्रामीण पर्यटन सामुदायिक विविधीकरण को भी बढ़ावा दे सकता है क्योंकि स्थानीय लोग आर्थिक और सामाजिक लाभ के अपने मौजूदा संसाधनों का लाभ उठाना शुरू कर सकते हैं। जिन समुदायों के पास अद्वितीय संसाधन हैं, वे अपने कौशल को मजबूत करके अपनी आजीविका कमा सकते हैं, जिससे सामुदायिक गौरव में वृद्धि हो सकती है।

पर्यावरणीय लाभ - किसी भी समुदाय में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से पारिस्थितिक क्षरण का खतरा होता है। लेकिन प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए, परिदृश्य संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह स्थानीय समुदायों को पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है।

सतत आजीविका - ग्रामीण पर्यटन में मौसमी कारकों के बावजूद ग्रामीण समुदायों को आय के स्रोत के रूप में स्थायी आजीविका प्रदान करने की क्षमता है।

चूंकि ग्रामीण अर्थव्यवस्थाएं मुख्य रूप से कृषि आधारित हैं, इसलिए हमेशा मौसमी जोखिम होता है जो ग्रामीण लोगों के लिए आय-सृजन के अवसरों को प्रभावित कर सकता है। ऐसे परिदृश्य में ग्रामीण पर्यटन ग्रामीण लोगों के लिए एक स्थायी आजीविका तंत्र हो सकता है।

महिला सशक्तिकरण - जैसे-जैसे ग्रामीण समुदायों में पर्यटन बढ़ता है, महिलाओं के लिए बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने की संभावना अधिक होती है।

कोविड-19 के साथ ग्रामीण पर्यटन का उदय

भारत एक विविधताओं से भरा देश है, प्रत्येक गाँव के दिल में कहानियाँ छिपी होती हैं और किसी न किसी तरह से अनोखी होती हैं। यह देखना शानदार है कि जब आप ग्रामीण भारत में यात्रा करते हैं तो भाषा, भोजन, व्यवहार, जीवन शैली, संस्कृति, रीति-रिवाज, प्राकृतिक संसाधन, जनसांख्यिकीय सूक्ष्मता

आदि कैसे बदलते हैं। एक के लिए तलाशने के लिए बहुत सारे पहलू हैं। भारत में 'ग्रामीण पर्यटन' विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं - यह स्थानीय जीवन को समझने और भारत की समृद्ध पारंपरिक और सांस्कृतिक विरासत में डूबने के लिए अद्वितीय अनुभव और अवसर प्रदान कर सकता है।

वैसे भी यह कोई नई अवधारणा नहीं है। ग्रामीण पर्यटन, भले ही छोटे पैमाने पर हो, भारत में दशकों से आजमाया और परखा गया है। तो, हम अब इस बारे में फिर से क्यों बात कर रहे हैं? क्योंकि, हाल ही में एक नया आयाम पेश किया गया है- हां, आपने सही अनुमान लगाया, यह 'कोविड' है। इस स्थिति में ग्रामीण पर्यटन को बड़ा बढ़ावा मिल सकता है यदि हम अवसर का लाभ उठा सकें। जैसा कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, "कठिनाई के बीच में, अवसर निहित है।"

कोविड-19 नए गंतव्यों के उद्भव की सुविधा प्रदान कर सकता है जो कम ज्ञात और देखे गए हैं: महामारी ने हममें से अधिकांश को पिछले कुछ महीनों में घर के अंदर रहने के लिए मजबूर किया है, और इसने हम सभी में यात्रा करने की इच्छा जगाई है। हम बस

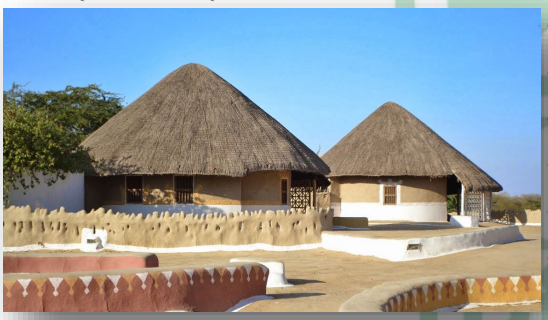

घर से बाहर निकल कर कहीं जाना चाहते हैं। हमारा दिल कहता है, "कहीं भी जाओ", जबकि हमारा मन कहता है, "सावधान रहो, हम अभी भी एक महामारी के बीच में हैं"। जबकि हम इस दुविधा में फंसे हुए हैं, एक बात पक्की है कि हमारी मानसिकता बदल रही है। हमारा मन शायद एक बीच का रास्ता ढूंढ रहा है, जहां वह कहता है, "हां, मैं कहीं जाना चाहता हूं, लेकिन बिना किसी जोखिम के, या सीमित जोखिम के साथ।" इसके साथ, गंतव्यों का एक नया सेट सामने आ सकता है जो कम ज्ञात और कम देखे जाने वाले हैं। यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो जल्द से जल्द हम एक ऐसी दुनिया में कदम रखेंगे, जहां यात्रा का लोकतंत्रीकरण हो जाएगा और यह सबसे दूर के क्षेत्रों तक पहुंच जाएगा।

लोग विभिन्न कारणों से यात्रा करते हैं - कुछ एकरसता को तोड़ने और एक ब्रेक लेने के लिए यात्रा करते हैं, कुछ रोमांच के लिए यात्रा करते हैं, जबकि कुछ नए स्थानों और संस्कृतियों का पता लगाने के लिए यात्रा करते हैं, आदि। कई अपनी यात्रा के दौरान आराम और सुविधा चाहते हैं। लेकिन जब यात्रा करने की इच्छा आराम की आवश्यकता पर हावी हो जाती है, तब यात्रा के नए स्थान सामने आने वाले हैं। कोविड-19 के साथ, लोगों की मानसिकता बदल रही है। लोग कम भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाना पसंद कर रहे हैं, और वे भीड़-भाड़ वाली उड़ानों में जाने के बजाय सड़क यात्राएं करने को तैयार हैं। इसलिए, मुझे लगता है, जब तक महामारी हमारे पीछे है, तब तक हमने एक ऐसी मानसिकता विकसित कर ली होगी जो दूरस्थ और अनोखी जगहों का पता लगाने के लिए तैयार हो, न कि केवल उन रूढ़िवादी पर्यटन स्थलों का, जिनका हम में से अधिकांश अभ्यस्त थे। यह बदले में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक बड़ा बढ़ावा देने जा रहा है।

मुझे यकीन है कि ग्रामीण भारत में उचित योजना और कार्यान्वयन के साथ एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनने की क्षमता है। लेकिन भारतीय गाँव का अनुभव वास्तव में इतना आसान नहीं है। सड़क, साफ-सफाई, पेयजल, भोजन, बिजली और स्वास्थ्य सेवा आदि जैसी कई चीजों में सुधार किया जाना है।

कोविड-19 के साथ और अनजान क्षेत्र की खोज की दिशा में, हमें यात्रियों को अपने नए गंतव्य के रूप में गांवों में जाने के लिए लुभाने के लिए उच्च श्रेणी के बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। यदि किसी ग्रामीण स्थान तक पहुँचने के लिए अच्छे सड़क मार्ग हैं और गाँवों में पर्याप्त आवास है, तो पर्यटकों को अन्य सुविधाओं की परवाह नहीं होती है।

मुद्रा अद्यतन (##)

मुद्रा	मूल्य ₹
1 USD (US$)	73.50
1 EURO (€)	86.81
1 GBP (£)	101.66
1 JPY (¥)	0.668
1 AUD (A$)	54.06

(##) सभी आंकड़े लाइव मिड-मार्केट रेट हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं और केवल सूचना के उद्देश्य से हैं।

अस्वीकरण: भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत 'दैनिक पर्यटन समाचार' का मूल उद्देश्य पर्यटन अकादमिक जगत को दैनिक आधार पर हो रही घटनाओं व गतिविधियों से रूबरू कराना है, चूँकि पर्यटन जगत बहुत 'गतिक' (डायनेमिक) है। इस समाचार पत्र का स्त्रोत आधार विभिन्न सूचना माध्यमों से प्राप्त सम्प्रेषण है। अतः इनकी पुष्टि, संस्थान व संपादन मंडल नहीं करता है। हालांकि अकादमिक हित में इसकी प्रस्तुति केवल ज्ञान उन्नयन हेतु की जाती है।